हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 181 देहरादून, शुक्रवार, 06 जनवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

जोशीमठ में सुरक्षा और प्रभावितों के रहने के पुख्ता इंतजाम : सतपाल महाराज 3

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने 306 करोड़ रुपए की 26 योजनाओं का लोकार्पण किया

लोकार्पित योजनाओं में नवनिर्मित गदरपुर बाईपास और खटीमा बाईपास भी शामिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उधम सिंह नगर , 6 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहेनिया बाईपास, खटीमा, उधम सिंह नगर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 30606.75 लाख रुपए की 26 योजनाओं का लोकार्पण किया। जिसमें नवनिर्मित गदरपुर बाईपास एवं नवनिर्मित खटीमा बाईपास का लोकार्पण भी शामिल रहा। इस अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी वीडियो के माध्यम सभा को संबोधित किया।

लोकार्पित किये गये 4-लेन गदरपुर बाईपास की लम्बाई 8.8 किमी और लागत 170 करोड रूपये है जबकि खटीमा बाईपास 2-लेन विद पेव्ड शोल्डर है। इसकी लम्बाई 8.2 किमी और लागत 95 करोड रूपये है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बाईपास के लोकार्पण के साथ खटीमा एवं गदरपुर क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है। इन दोनों ही बाईपास के बनने से स्थानीय जनता को लाभ मिलेगा। खटीमा एवं गदरपुर दोनों शहरों को जाम से निजात भी मिलेगा। खटीमा बाईपास के दौरान कई बाधाओं का सामना करना पड़ा परंतु सभी क्षेत्रवासियों ने एकता दिखाकर, जिला प्रशासन एवं एन.एच के सहयोग से समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने कहा जल्द ही टनकपुर से सितारगंज एवं पीलीभीत से खटीमा हेतु 4 लेन सड़क पर भी कार्य किया जाएगा। यह मार्ग कैलाश मानसरोवर का भी एक अहम पड़ाव है आने वाले दिनों में कैलाश मानसरोवर की यात्रा इन्हीं मार्गो से की जाएगी। भारत एवं नेपाल सरकार संयुक्त रूप से दोनों देशों को जोड़ने हेतु सड़क का निर्माण करवा रही है जिससे दोनों देशों के बीच में रोटी बेटी का रिश्ता और ज्यादा मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। जिसके फलस्वरूप केदारनाथ की एवं हेमकुंड साहिब को रोपवे से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि भारत सरकार

के पर्वतमाला योजना का अधिकाधिक लाभ हमारे राज्य को मिले। उधम सिंह नगर जिले के किच्छा क्षेत्र में एम्स बनने जा रहा है। राज्य सरकार वन डिस्टिक टू प्रोडक्ट योजना पर भी तेज गति के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर जो भी प्रस्ताव रखे जाते हैं, उन पर गम्भीरता से फैसले भी लिये जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस वर्ष जी- 20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है। यह देश के लिए 'लोकल फॉर ग्लोबल' को बढ़ावा देने का अच्छा अवसर है। जी-20 की 02 महत्वपूर्ण बैठकें उत्तराखण्ड में भी प्रस्तावित हैं। भारत के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को अन्तरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष भी घोषित किया है। इससे हमारे मोटे अनाजों को तेजी से बढ़ावा मिलेगा। भारत सरकार द्वारा मण्डुवा को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय करने की स्वीकृति प्रदान करने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज संपूर्ण भारत में सरकार द्वारा अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को संसाधन पहुंचाने पर कार्य किया जा रहा है। आज का भारत दुनिया का नेतृत्व करने वाला भारत है। वैश्विक मंच पर भारत और भी ज्यादा सशक्त हुआ। सेना का मान सम्मान स्वाभिमान बढा है। दुश्मन देशों को गोली का जवाब गोलो से दिया जा रहा है। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने खटीमा के अंतर्गत कई कार्य किये हैं जिसमें विभिन्न जगहों पर पानी की टंकियों का निर्माण, बस स्टेशन का निर्माण, सरकारी हॉस्पिटलों में मूलभूत संसाधनों की स्थापना, पूर्व सैनिकों हेतु सीएसडी कैंटीन, एकलव्य विद्यालय, नमामि गंगे के अंतर्गत शारदा घाटों का निर्माण कार्य हैं। उन्होंने कहा राज्य सरकार वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने ₹विकल्प रहित संकल्प₹ को लेकर आगे बढ़ रही है।

वीडियो संदेश में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आज बाईपास का लोकार्पण कर दिया है। नवनिर्मित गदरपुर एवं खटीमा बाईपास के शुभारंभ के साथ ही खटीमा एवं गदरपुर के मुख्य शहरों में लगने वाला जाम पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इससे स्थानीय जनता, यात्री एवं श्रद्धालुओं को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। बाईपास के बन जाने से रुद्रपुर - टनकपुर एवं रुद्रपुर से काशीपुर या अन्य आसपास शहरों की समयअवधि घट जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड राज्य निरंतर ही विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा उत्तराखंड राज्य में सड़कों के निर्माण हेतु जो कुछ भी सहयोग मंत्रालय द्वारा किया जा सकता है, वो प्राथमिकता के साथ किया जाएगा।केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि प्रत्येक शासनादेश मूर्त रूप लेता जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड का चौमुखी विकास देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री धामी के बराबर कर्तव्यनिष्ट, ईमानदार व्यक्ति कोई नहीं है, वह विधानसभा चुनाव 2022 में अपने वादे अनुसार वर्तमान समय में प्रदेश के हर क्षेत्र को बराबर स्थान और सम्मान दे रहे हैं। उन्होंने कहा गदरपुर बायपास पर सर्विस लेन बने तथा किसानों की फसल को नुकसान न हो, पानी की निकासी हेतु एनएचएआई प्रस्ताव बनाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उधम सिंह नगर जिले का चौतरफा विकास हो रहा है। अगले 10 सालो में उत्तराखंड राज्य बहुत ऊंचाइयों को छूने वाला है।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत को G-20 की अध्यक्षता मिल गई है। करोड़ों के प्रोजेक्ट पर काम हो रहे हैं। कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने नेशनल हाईवे कुटरी (खटीमा बाईपास) का निरीक्षण भी किया। इस दौरान विधायक गोपाल सिंह राणा, शिव अरोरा, सुरेश गडिया, पूर्व विधायक डॉ.प्रेम सिंह राणा, बीजेपी जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, डीएम युगल किशोर पंत, एसएसपी मंजूनाथ टीसी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

देहरादून : चौराहे पर जबरन हॉर्न बजाया तो नहीं मिलेगा ग्रीन सिग्नल, ट्रैफिक पुलिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः देहरादून में बढ़ता ध्वनि प्रदूषण एक गंभीर समस्या है। चारों तरफ मचा शोर हमारी हेल्थ पर सीधा असर डाल रहा है। तेज धुन से बजने वाले डीजे, तेज हॉर्न, वाहनों का शोर और यहां तक वो ईयरफोन जिसे कान में ठूंसकर आप घंटों गाने सुनते या बतियाते हैं, वो भी आपके सुनने की क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं।

गाड़ियों के हॉर्न से सबसे ज्यादा शोर-शराबा होता है। इससे होने वाले ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने सॉलिड प्लान बनाया है। इसके तहत जल्द ही शहर के चौराहों पर ऐसे स्मार्ट सिग्नल लगाए जाएंगे, जो पता लगाएं कि किस दिशा से कौन सी आवाज ज्यादा है। इसके बाद चौराहे पर

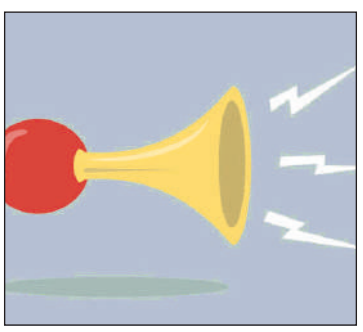

उस दिशा का सिग्नल ग्रीन नहीं होगा। नतीजतन शोर मचाने वालों को ट्रैफिक सिग्नल पर मिनटों से लेकर घंटों तक खड़े रहना पड़ सकता है। ध्वनि प्रदूषण है, जो पर्यावरण में अवांछित ध्वनि के कारण उत्पन्न होता है। यह स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक माना जाता है। उच्च स्तर का ध्वनि प्रदूषण कई स्वास्थ्य समस्याओं की वजह बनता है। इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई और रोकथाम के लिए पुलिस ने नए साल में देहरादून को नो हॉर्न जोन बनाने का संकल्प लिया है

सीएम पुष्कर सिंह धामी, उत्तराखंड सरकार की टीम जोशीमठ का जल्द करेगी निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः जोशीमठ में लगभग 600 घरों और अन्य स्थानों पर बड़ी दरारें पड़ने की आशंका के बीच- 6,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित शहर- डूब रहा है, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्य सरकार की एक टीम जल्द ही पहाड़ी का दौरा करेगी शहर को पहल करने के लिए सीएम ने कहा कि ₹स्थिति को संभालने के लिए तत्काल कदम₹ होगा।धामी ने कहा, ₹हम घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहे हैं। दो दिन पहले मैंने मुख्य सचिव एस एस संधू और राज्य आपदा प्रबंधन टीम के अधिकारियों से बात की थी और उनसे अद्यतन रिपोर्ट ली थी।₹उन्होंने कहा, ₹हम मामले में त्वरित कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैंने चमोली के जिलाधिकारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि प्रभावित परिवारों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएं।₹ जोशीमठ के भीतर प्रभावित परिवारों या उन्हें किसी अन्य स्थान पर पुनर्वासित करना।

नजर कमजोर होने का खतरा बढ़ा तनाव से आंखों की सेहत होती है खराब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अत्यधिक तनाव लेना आपकी आंखों की सेहत के लिए नुकसानदायक है। ये आपकी आंखों की रोशनी को भी छीन सकता है। एक अध्ययन में पता चला है कि तनाव से ग्लूकोमा (मोतियाबिंद), विजन लॉस के अलावा आंखों से जुड़ी कई समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। सबसे ज्यादा नजर कमजोर होने का जोखिम होता है।

हाल ही में हुई एक रिसर्च में सामने आया कि 2040 तक दुनियाभर में ग्लूकोमा के मरीजों की संख्या बढ़कर 11 करोड़ के आसपास पहुंच जाएगी। दरअसल, लगातार तनाव से ऑटोनोमिक नर्वस सिस्टम में असंतुलन और वस्कुलर डिरेगुलेशन के कारण आंखों और दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

रिसर्चर्स ने यह भी पाया कि इंट्राओकुलर प्रेशर में बढ़त, एंडोथेलियल डिसफंक्शन (फ्लैमर सिंड्रोम) और सूजन तनाव के कुछ ऐसे नतीजे हैं, जिससे और नुकसान होता है। आंखों की नर्व और ब्लड वेसल्स कोर्टिसोल नाम के हॉर्मोन से प्रभावित होते हैं। यह आंखों को प्रभावित करता है। जब हम तनाव में होते हैं तब आंखों के अंदर मौजूद फ्लूइड में तनाव बढ़ने के साथ दबाव बढ़ता है, जिससे ब्लड वेसल्स के सूखने का खतरा रहता है। यह आंखों में होने वाली कई तरह की समस्या का कारण बनता है।

यदि किसी व्यक्ति की आंखों का इलाज चल रहा है. और इस दौरान वह व्यक्ति ज्यादा तनाव लेता है तो उसकी आंखें देर में ठीक होती हैं। हालांकि हर दिन कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद जरूर लें। नींद पूरी न होने से भी तनाव बढ़ने की संभावना होती है। यह आंखों के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

नींद पैटर्न वाले लोगों की तुलना में खर्राटे और दिन की नींद में ग्लूकोमा का जोखिम 11% बढ़ जाता है। अनिद्रा और छोटी या लंबी नींद लेने वालों में यह खतरा 13% तक बढ़ जाता है। स्वभाव, सीखने की क्षमता व याददाश्त पर भी असर पड़ता है।

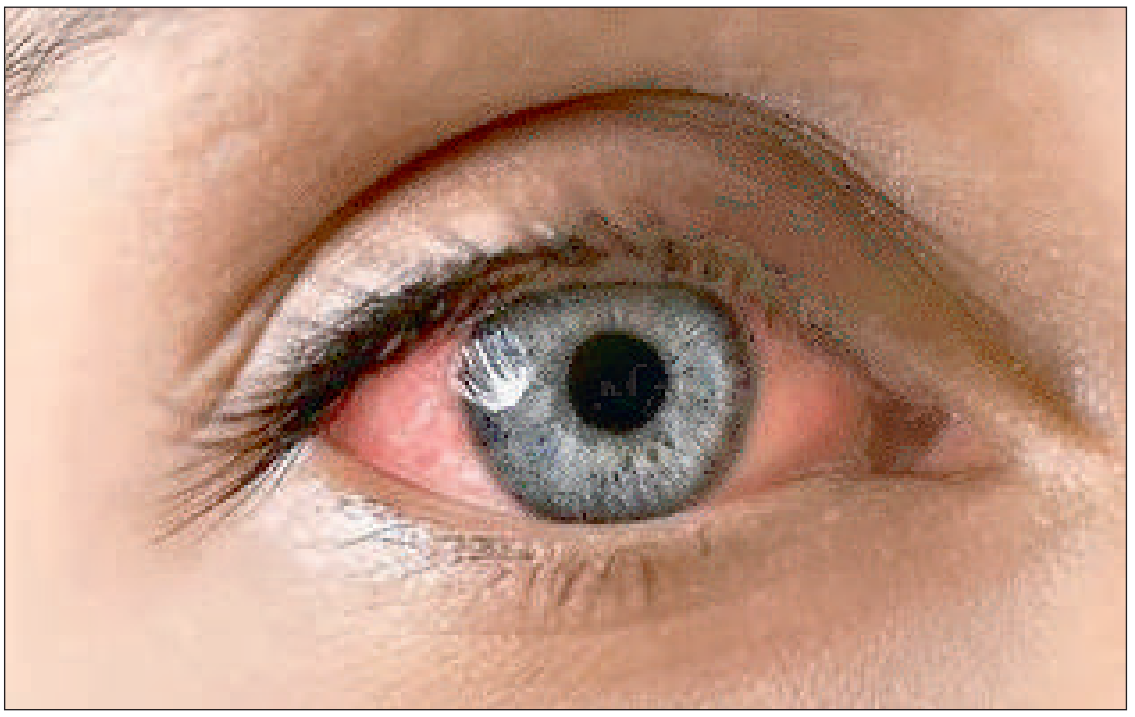

अगर आपकी हथेली में भी है सूर्य रेखा जानें जीवन पर कितना है प्रभाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हमारी हथेली पर मौजूद रेखाएं और चिन्ह हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं। इन रेखाओं से आप जीवन के कई पहलुओं के बारे में जान सकते हैं। इन्ही रेखाओं में से एक है सूर्य रेखा। हाथ में सूर्य रेखा कहीं से भी निकल रही हो तो इसका व्यापक असर व्यक्ति के जीवन में पड़ता है। इस रेखा से आप अपनी ना सिर्फ आर्थिक जानकारी के बारे में जान सकते हैं बल्कि आप अपने भविष्य से भी अवगत हो सकते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं आपकी हाथों की लकीरों के कुछ ऐसे संयोग, जिससे आपकी जिंदगी पर अच्छा खासा प्रभाव पड़ता है.

हस्तरेखा शास्त्र में सूर्य रेखा को बहुत शुभ माना गया है। जिस व्यक्ति की हथेली पर यह रेखा होती है, उसके जीवन में कभी भी सुख की कमी नहीं होती है। जिस व्यक्ति की हथेली पर सूर्य रेखा अगर भाग्य रेखा पर जाकर समाप्त होती है तो उसकी आयु काफी होती है।जिस व्यक्ति के हथेली पर सूर्य रेखा बृहस्पति पर्वत तक पहुंच जाती है और वह पर्वत तक पहुंचकर रेखा के अंत में कोई तारा जैसा चिन्ह बना हो तो ऐसा व्यक्ति बहुत बड़ा अधिकारी बनता है। वहीं सूर्य रेखा मस्तिष्क रेखा पर जाकर समाप्त हो जाए तो वह व्यक्ति विद्वान और बुद्धिमान होता है।हथेली पर सूर्य और बुध पर्वत आपस में मिल जाएं और मस्तिष्क रेखा पर बुध और सूर्य रेखा मिल गई हों तो ऐसे योग वाला व्यक्ति प्रसिद्ध व्यापारी बनता है और करोड़ों रुपए कमाता है। ऐसे व्यक्ति देश में ही नहीं विदेश में भी अपना व्यापार करता है।जिस व्यक्ति की हथेली पर सूर्य रेखा अगर हृदय रेखा पर जाकर समाप्त हो जाती है तो ऐसा व्यक्ति उदार होता है।

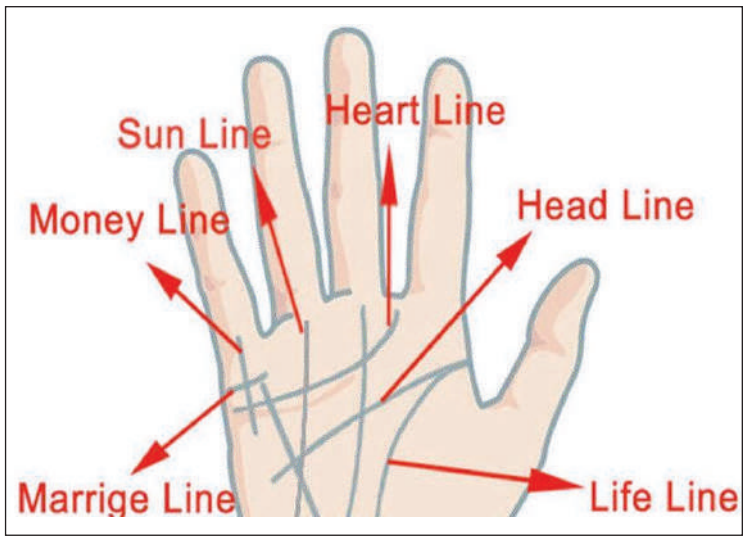

वह परोपकार और दान-पुण्य का कार्य काफी करता है। वहीं सूर्य रेखा प्रारंभ या फिर अंत में जाकर कांटे की तरह विभाजित हो जाए तो ऐसा व्यक्ति अपना जीवन काफी सुखी और समृद्ध तरीके से व्यतीत करता है।

अगर सूर्य रेखा साफ हो लेकिन उस पर अंडाकार चिन्ह बने हैं, साथ ही कोई अन्य रेखा आकर काट जाए तो यह अशुभ माना गया है। ऐसे व्यक्ति के जीवन में सम्मान और पैसों की बहुत कमी आती है। ऐसे व्यक्ति का मन हमेशा भटकता रहता है, उसका किसी भी काम में मन नहीं लगता है.यदि व्यक्ति की हथेली पर सूर्य रेखा के साथ-साथ भाग्य रेखा और बुध रेखा तीनों मणिबंध से निकल रही हो और सीधी सरल और साफ हो तो ऐसे व्यक्ति के पास कुबेर के समान धन होता है। वह शुरुआत में तो मेहनत करता है लेकिन बाद में उसको सुख, ऐश्वर्य का आनंद की प्राप्ति होती है।जिस व्यक्ति की हथेली पर सूर्य रेखा अगर जीवन रेखा पर जाकर समाप्त हो रही हो तो यह काफी शुभ माना जाता है। ऐसे व्यक्ति अपने-अपने क्षेत्र में काफी फेमस होते हैं। वहीं सूर्य रेखा अगर चंद्र पर्वत तक जाती है तो ऐसे व्यक्ति फेमस एक्टर, सिंगर या फिर पॉलिटिक्स आदि बनते हैं।

क्या आप जानते है लड़कियों की शर्ट में बटन बाईं तरफ क्यों लगाये जाते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि लड़के और लड़कियों की शर्ट पर बटन अलग अलग साइड लगाए जाते हैं। अगर नहीं तो अब ध्यान दीजिए। दरअसल महिलाओं की शर्ट पर बटन बाई तरफ, जबकि पुरुषों की शर्ट पर बटन दाहिनी तरफ लगाए जाते हैं।

दरअसल महिलाओं और पुरुषों के शर्ट के बटन अलग-अलग साइड लगाने को लेकर अलग-अलग तर्क दिए जाते हैं। कहा जाता है कि पुरुषों को बटन खोलने या बंद करने के लिए बाएं हाथ का सहारा लेना पड़ता है। इसलिए उनके शर्ट में बटन दाएं तरफ होते हैं, वहीं महिलाओं के साथ यह काम उल्टा है इसलिए महिलाओं के कपड़ों में बटन बाई तरफ लगाए जाते हैं।शर्ट में अलग-अलग साइट पर बटन लगाने को लेकर एक और तर्क दिया जाता है।

कहा जाता है कि पुराने जमाने में महिलाएं घोड़े चलाती थी और ऐसे में वह बाईं तरफ बटन वाली शर्ट पहनती थी, ताकि हवा के कारण उनकी शर्ट ना खुले। इसके बाद यह कांसेप्ट यूं ही बरकरार रहा और मेकर्स ने इस तरह की शर्ट ही बनानी शुरू कर दी।वही इस तर्क को लेकर यह भी कहा जाता है कि पुरुष दाएं हाथ में तलवार रखते हैं, जबकि महिलाएं अपने बच्चों को आसानी से गोदी लेने के लिए बाएं हाथ का इस्तेमाल करती है। ऐसे में महिलाओं के शर्ट के बटन बाई तरफ लगा दिए जाते हैं, ताकि वह अपने दाहिने हाथ से बटन खोलकर बच्चे को आसानी से स्तनपान करा सके।

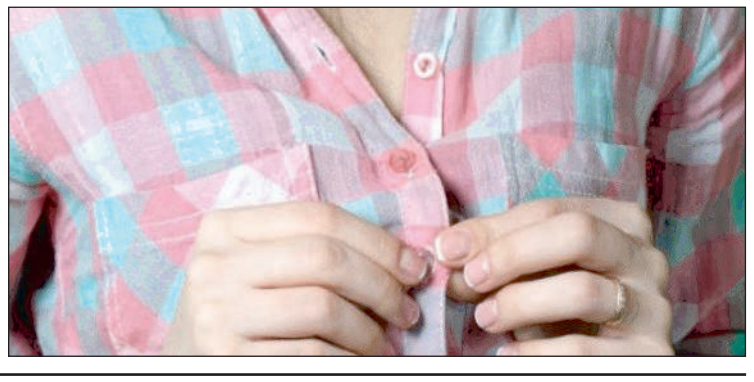

जल के क्षेत्र में सिंचाई, कृषि, पेयजल सहित समस्त क्षेत्रों को वर्ष 2047 तक परिपूर्ण करने का लक्ष्य : महाराज

भोपाल में अखिल भारतीय वार्षिक राज्य मंत्रियों के सम्मेलन में बोले कैबिनेट मंत्री महाराज

देहरादून से आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून/भोपाल , 6 जनवरी , उत्तराखण्ड राज्य द्वारा उपलब्ध जल संसाधनों के समेकित उपयोग एवं नियोजन से वर्ष 2047 तक राज्य में जल का उपयोग करने वाले सिंचाई, कृषि, पेयजल आदि समस्त Sectors को जल के क्षेत्र में परिपूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।ये जानकारी दी है प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायती राज, मंत्री सतपाल महाराज ने, जो भोपाल में पहले अखिल भारतीय वार्षिक राज्य मंत्रियों के सम्मेलन ₹जल दृष्टि@ 2047₹ विषय पर बोलते हुए अपने सम्बोधन में दी है ।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रतिनिधि के रूप में सम्मेलन में पहुंचे प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि राज्यों और हितधारक मंत्रालयों के साथ साझेदारी की तलाश कर उसे मजबूत करना और पानी से संबंधित मुद्दों के लिए समग्र व अंतर अनुशासनिक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत तरीके से पानी को एक अनमोल संसाधन के रूप में प्रबंधित करने के लिए इस साझा दृष्टिकोण का वह स्वागत करते हैं। निश्चित रूप से यह सम्मेलन पानी जैसे बहुमूल्य और सीमित प्राकृतिक संसाधन को प्रबंधित करने में मील का पत्थर साबित होगा और साझेदारी को मजबूत करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में यमुना नदी पर प्रस्तावित 333 MCM धारित क्षमता के लखवाड बाँध परियोजना का निर्माण पुनः प्रारम्भ करने की कार्यवाही गतिमान है। यमुना की सहायक नदी टोन्स पर प्रस्तावित एक अन्य 1.8 BCM धारित क्षमता की बहुउद्देशीय परियोजना किशाऊ बाँध परियोजना का अन्वेषण कार्य भी प्रगति पर है जिससे यमुना बेसिन के अन्य पांच राज्यों को सिंचाई व पेयजल का लाभ मिलेगा। जल संवर्द्धन एवं संरक्षण हेतु राज्य में जल शक्ति अभियान के तहत ₹कैच द रेन₹ के अन्तर्गत अब तक 10589 रेन वाटर हारवेस्टिंग व जल संवर्द्धन कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं जबकि 5114 कार्य चल रहे हैं। 2844 water bodies का पुनरोद्धार कार्य पूर्ण किया गया हैं तथा 1317 water bodies का पुरूद्धार कार्य किया जा रहा है। 1267 रीचार्ज संरचनाओं का निर्माण के साथ-साथ 409 रीचार्ज संरचनाएं निर्माणाधीन है। 25765 वाटरसेड डवलपमेंट कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं तथा 12518 वाटरसेड डव्लपमेंट कार्य प्रगति पर है। 4702 हेक्टेयर भूमि में इन्टेंसिव फॉरेस्टेशन आदि कार्य पूर्ण कर 3694 हेक्टेयर भूमि में इन्टेंसिव फॉरेस्टेशन का कार्य किया जा रहा है। उक्त के अतिरिक्त 1685 प्रस्तावित अमृत सरोवरों में से 990 अमृत सरोवरों का निर्माण व पुनरोद्धार कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष 695 के कार्य चल रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड पर्वतीय राज्य होने के कारण यहाँ अवस्थित पर्वतीय शहरों एवं ग्रामों को स्वच्छ पेयजल एवं सिंचाई की सुविधा नदियों पर जलाशय एवं लिफ्ट योजनायें बनाकर या पर्वतीय क्षेत्रों में उपलब्ध जल स्त्रोतों के जल का उपयोग कर ही उपलब्ध करायी जा सकती है, जिस हेतु यह आवश्यक है कि राज्य में उपलब्ध अतिरिक्त जल का पूर्ण उपयोग Good & Efficient Planning के साथ किया जाये एवं जहाँ जल विद्युत उत्पादन की सम्भावना हो, का भी पूर्ण दोहन हो सके। उन्होने कहा कि राज्य में उपलब्ध जल के बेहतर प्रबन्धन एवं उपयोग हेतु कई वृहद परियोजनाओं का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है, जिनके निर्माण से राज्य को सुनिश्चित पेयजल, सिंचाई के साथ-साथ विद्युत उत्पादन का लाभ भी होगा।

वरिष्ठ मंत्री महाराज ने कहा कि देहरादून एवं उपनगरीय क्षेत्र हेतु सुनिश्चित पेयजल आपूर्ति के लिए सौंग नदी पर लगभग रू० 2021.57 करोड़ की लागत से सौंग बाँध पेयजल परियोजना बनायी जानी प्रस्तावित है। परियोजना के निर्माण से देहरादून शहर एवं उपनगरीय क्षेत्रों के लिए वर्ष 2053 तक अनुमानित आबादी के लिये 150 एम०एल०डी० पेयजल की आपूर्ति ग्रेविटी द्वारा सुनिश्चित की जा सकेगी। सौंग बांध के निर्माण से होने वाली सुनिश्चित पेयजल आपूर्ति के कारण शहरी क्षेत्रों में क्रमवद्ध तरीके से नलकूप के माध्यम से जलापूर्ति में कमी होने के फलस्वरूप भूजल स्तर में सुधार के साथ-साथ नये नलकूपों के निर्माण, उनके अनुरक्षण लागत तथा विद्युत व्यय में भी कमी होगी।

उन्होने जमरानी बांध का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य की महत्वपूर्ण जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना जिसकी लागत रू० 2584.10 करोड की निवेश संस्तुति सचिव, जल शक्ति मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अन्तर्गत की गयी है। योजना को भारत सरकार के Public Investment Board एवं उसके पश्चात Cabinet Committee on Economic Affairs में स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है।इस परियोजना के निर्माण से उत्तर प्रदेश एंव उत्तराखण्ड राज्य के 1,50,027 हेक्टेयर कमाण्ड के अन्तर्गत क्रमशः उत्तर प्रदेश में 47,607 हेक्टेयर तथा उत्तराखण्ड में 9,458 हेक्टेयर अर्थात कुल 57,065 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन होगा एवं हल्द्वानी शहर एवं उसके समीपवर्ती क्षेत्र की पेयजल आवश्यकता की पूर्ति हेतु 117 एम0एल0डी0 जल की उपलब्धता सुनिश्चित होने के साथ-साथ 14 मेगावॉट विद्युत उत्पादन भी होगा। जिसके फलस्वरूप वहाँ के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा तथा आस-पास के क्षेत्रों के भू-जल स्तर में भी वृद्धि होगी। राज्य सरकार द्वारा योजना को वर्ष 2027 तक पूर्ण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित विभिन्न राज्यों के मंत्री और उत्तराखंड के अपर सचिव सिंचाई उमेश नारायण पांडे, प्रमुख अभियंता जयपाल सिंह, इरीगेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट के शंकर कुमार शाह और जल जीवन मिशन से बी.के. पांडे व एस. के. शर्मा आदि मौजूद थे।

जोशीमठ में सुरक्षा और प्रभावितों के रहने के पुख्ता इंतजाम : सतपाल महाराज

जोशीमठ, मकानों में आ रही दरारों व भू-धसाव को लेकर सक्रिय हुए महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 जनवरी , जोशीमठ शहर में मकानों और होटलों में आ रही दरारों व भू-धसाव ने चिंता बढ़ा दी है। इसके ट्रीटमेंट को लेकर शासन स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से चर्चा कर एसडीएम और जिलाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने ये बातें कही है।

उन्होंने कहा कि जोशीमठ में लगातार हो रहे भू-धसाव से अनेक घरों व भवनों में दरारें आने से प्रभावित लोगों को अन्य स्थानों पर शिफ्ट किया जा रहा है। जल्दी ही इसके लिए पूरा प्लान बनाकर आगे की कार्यवाही की जाएगी।मंत्री सतपाल महाराज ने एसडीएम और जिलाधिकारी को निर्देश दिये हैं कि लोगों की सुरक्षा के साथ-साथ उनके रहने के पुख्ता इंतजाम किये जायें। ऐसे मकानों को पहले फेज में शिफ्ट किया जाए जिनमें दरारें अधिक हैं, ताकि किसी बड़े खतरे से बचा जा सके।

31 जनवरी तक चार क्रय केन्द्रों पर मंडुआ एवं झंगौरा की होगी बिक्री : झरना कमठान, सीडीओ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 जनवरी , मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान ने बताया है कि प्रदेश के कृषकों के हितों को ध्यान में रखकर राज्य सरकार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य सहकारी संघ लि0, देहरादून (यू०सी०एफ०) के माध्यम से मिलेट मिशन योजना का संचालन किया जा रहा है। राज्य सहकारी संघ द्वारा जनपद देहरादून के कृषकों के उत्पाद मंडुआ, झंगौरा आदि फसलों का क्रय किया जा रहा है। किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिल सके, इसके लिए जनपद देहरादून में चार क्रय केन्द्रों पर मंडुआ एवं झंगौरा को विक्रय की सुविधा प्रदान की गयी है। कृषक निम्न चार केन्द्रों पर अपने उत्पादों को 31 जनवरी 2023 तक बेचा जा सकता है। बहुउद्देशीय सहकारी समिति लि० कैराड, वि०ख० - चकराता , बहुउद्देशीय सहकारी समिति लि० दसऊ, वि०ख०-चकराता, जिला सहकारी विकास संघ लि0, देहरादून, फेडिज कपसाड देहरादून । मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत वर्ष 2022-23 के लिए मंडुए का समर्थन मूल्य 3578/- प्रति कुन्तल तथा झंगोरा का समर्थन मूल्य रू० 2700/- प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। जनपद देहरादून के कृषक उक्त विक्रय मूल्य पर अपने उत्पाद विक्रय करते हुए उक्त योजना से लाभान्वित हो सकते हैं।

50,000 लोगों को रातों-रात नहीं उजाड़ा जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सुप्रीम कोर्ट ने हल्द्वानी बेदखली के उत्तराखंड उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी और 'भूमि अतिक्रमण' के मुद्दे को हल करने के लिए एक व्यावहारिक व्यवस्था करने के लिए कहा।

मामले की अगली सुनवाई सात फरवरी को होगी।सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उत्तराखंड के हल्द्वानी में 'अतिक्रमित' भूमि में रेलवे की योजनाबद्ध बेदखली पर रोक लगा दी और कहा कि एक व्यावहारिक व्यवस्था तैयार की जानी चाहिए क्योंकि 50,000 लोगों को रातोंरात नहीं हटाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सरकार को इलाके के लोगों का पूरा पुनर्वास कराना होगा. ₹इस बीच, विवादित आदेश में पारित निर्देशों पर रोक रहेगी,₹ शीर्ष अदालत ने भूमि पर किसी भी नए निर्माण या विकास पर रोक लगाते हुए कहा।जस्टिस संजय किशन कौल और अभय एस ओका की बेंच ने कहा कि सात दिन में 50 हजार लोगों को नहीं हटाया जा सकता है. जैसा कि न्यायमूर्ति एसके कौल ने मामले की सुनवाई की, उन्होंने कहा कि मामले में कई पहलू हैं और लोग वर्षों से जमीन में रह रहे हैं; और प्रतिष्ठान हैं। ₹आप कैसे कह सकते हैं कि सात दिनों में उन्हें साफ़ कर दें?

उत्तराखंड उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर निष्कासन 10 जनवरी से शुरू होना था, जिसके खिलाफ हल्द्वानी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। दशकों से इलाके में रह रहे निवासियों के विरोध को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और एआईएमआईएम जैसे राजनीतिक दलों का समर्थन मिला।मामले को अब 7 फरवरी को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्थगन आदेश पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि सरकार अदालत के आदेश के अनुसार आगे बढ़ेगी।

जैसा कि एएसजी ने विरोध किया कि राज्य के विकास के लिए 'रेलवे भूमि' को मुक्त करना महत्वपूर्ण है, न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि लोगों को अलग करने के लिए एक व्यावहारिक व्यवस्था आवश्यक है ₹जिनके पास अधिकार/कोई अधिकार नहीं हो सकता है, पुनर्वास की योजनाओं के साथ जोड़े जो पहले से मौजूद हैं, उन्हें मान्यता देते हुए रेलवे की जरूरत है।₹प्रस्तावित विध्वंस से 50,000 से अधिक निवासी, 4,365 घर, सार्वजनिक और निजी स्कूल, मंदिर, मस्जिद और व्यावसायिक प्रतिष्ठान प्रभावित होंगे। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि उनके पास अपनी संपत्तियों के उचित दस्तावेज, पंजीकरण हैं, जिन्हें अब 'अतिक्रमण' कहा जा रहा है।

पेरेंटिंग टिप्स : ट्रांजिशन के दौरान बच्चों को सपोर्ट करने के 3 तरीके

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

संक्रमण कई कारणों से बच्चों के लिए कठिन हो सकता है, जैसे कि थकान, भटकाव, या किसी गतिविधि को बंद करने की अनिच्छा। बदलाव के दौरान बच्चों की मदद करने के तीन तरीके देखें।अपने बच्चों को एक चीज़ से दूसरी चीज़ में बदलने के लिए माता-पिता तनावग्रस्त, परेशान, चिंतित, या बस थके हुए और निराश हो सकते हैं। संक्रमण कई बच्चों के लिए कठिन हो सकता है और उन्हें फिट बैठने, वापस लेने या विघटनकारी तरीके से कार्य करने जैसे चुनौतीपूर्ण तरीकों से कार्य करने का कारण बन सकता है। संक्रमण कई कारणों से कठिन हो सकता है, जैसे कि थकान, भटकाव, या किसी गतिविधि को बंद करने की अनिच्छा। दैनिक बदलाव और परिवर्तन अक्सर अपरिहार्य होते हैं, लेकिन यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि वे छोटे बच्चों को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। बच्चे की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, वयस्क बच्चों में सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कार्यनीतियाँ बना सकते हैं।

पेरेंटिंग एक्सपर्ट और अर्ली इंटरवेंशनिस्ट, एलेक्जेंड्रा ने अपने हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट में बच्चों को संक्रमण के माध्यम से समर्थन देने के पांच तरीके सुझाए।

1. प्रतिक्रिया का अनुमान लगाएं और उस पर चर्चा करें

अक्सर, हम जानते हैं कि हमारे बच्चों के लिए कौन-सी अवस्थाएँ कठिन हैं। हम प्रतिक्रिया का अनुमान लगा सकते हैं और बच्चे के साथ इस पर चर्चा कर सकते हैं। यह इस तरह लग सकता है: ₹आप पार्क से बहुत प्यार करते हैं, कभी-कभी आपके लिए छोड़ना वाकई मुश्किल होता है! मैं समझ गया। मुझे उन चीजों को रोकना भी पसंद नहीं है जो मुझे पसंद हैं। कभी-कभी ऐसा करने से मुझे गुस्सा आता है। कुछ क्या हैं अगर पार्क छोड़ने पर हमें गुस्सा आता है तो हम क्या कर सकते हैं?₹

2. एक गतिविधि उलटी गिनती करें

हम अक्सर 5-मिनट की चेतावनियाँ सुनते हैं लेकिन कुछ बच्चों के लिए, परिवर्तन से पहले एक गतिविधि उलटी गिनती और भी अधिक सहायक हो सकती है। यह इस तरह लग सकता है: ₹पार्क छोड़ने का लगभग समय हो गया है। हमारे जाने से पहले आप कौन सी 3 चीजें करना चाहेंगे?₹ और बच्चे के साथ गिनें क्योंकि वे अपनी अंतिम गतिविधियों से गुजरते हैं।

3. एक संक्रमण वस्तु की अनुमति दें

एक संक्रमण वस्तु तनाव को कम कर सकती है और बच्चे को एक गतिविधि से दूसरी गतिविधि में भावनात्मक परिवर्तन करने में मदद कर सकती है। पार्क के उदाहरण के बाद, यह ऐसा दिखाई दे सकता है:

- घर पर पेंट करने के लिए पार्क से एक पत्थर ले जाना
- परिवार के किसी सदस्य को दिखाने के लिए उनकी पसंदीदा पार्क गतिविधि करते हुए उनकी तस्वीर लेना
- उनके खेलने की जगह को बढ़ाने के लिए पार्क में एक पेड़ से एक छड़ी लेना

आज होगी जोशीमठ भू धसाव पर मुख्यमंत्री के संग हाई लेवल बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जनपद चमोली के जोशीमठ में हो रहे भूधसाव के सन्दर्भ में आज उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक सायं 6 बजे सचिवालय स्थित अब्दुल कलाम भवन के चतुर्थ तल पर आहूत की गई है।बैठक में मुख्य सचिव, सचिव आपदा प्रबंधन, सचिव सिंचाई, पुलिस महानिदेशक, आयुक्त गढवाल मण्डल, पुलिस महानिरीक्षक एसडीआरएफ, जिलाधिकारी चमोली सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जो अधिकारीगण मुख्यालय में उपस्थित हैं भौतिक रूप में एवं अन्य अधिकारीगण जो मुख्यालय से बाहर हैं, ये वीडियो कान्फ्रेंन्सिंग के माध्यम से प्रतिभाग करेंगे।

उधर सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर गढवाल कमिश्नर सुशील कुमार, आपदा प्रबंधन सचिव रन्जीत कुमार सिन्हा, आपदा प्रबंधन के अधिशासी अधिकारी पीयूष रौतेला, एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट रोहितास मिश्रा, भूस्खलन न्यूनीकरण केन्द्र के वैज्ञानिक सांतुन सरकार, आईआईटी रूडकी के प्रोफेसर डा.बीके माहेश्वरी सहित तकनीकी विशेषज्ञों की पूरी टीम जोशीमठ पहुंच गई है। गढवाल कमिश्नर एवं आपदा प्रबंधन सचिव ने तहसील जोशीमठ में अधिकारियों की बैठक लेते हुए स्थिति की समीक्षा की गई। विशेषज्ञों की टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत सर्वेक्षण किया जा रहा है।

जोशीमठ में भू-धंसाव की समस्या के दृष्टिगत जिला प्रशासन ने बीआरओ के अन्तर्गत निर्मित हेलंग वाई पास निर्माण कार्य, एनटीपीसी तपोवन विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य एवं नगरपालिका क्षेत्रान्तर्गत निर्माण कार्यो पर अग्रिम आदेशों तक तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। साथ जोशीमठ-औली रोपवे का संचालन भी अग्रिम आदेशों तक रोका गया है।

प्रभावित परिवारों को शिफ्ट करने हेतु जिला प्रशासन ने एनटीपीसी व एचसीसी कंपनियों को एहतियातन अग्रिम रुप से 2-2 हजार प्री-फेब्रिकेटेड भवन तैयार कराने के भी आदेश जारी किए है।जोशीमठ में भू-धंसाव की समस्या को लेकर प्रशासन प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद पहुंचाने में जुटा है। प्रभावित परिवारों को नगरपालिका, ब्लाक, बीकेटीसी गेस्ट हाउस, जीआईसी, गुरुद्वारा, इंटर कालेज, आईटीआई तपोवन सहित अन्य सुरक्षित स्थानों पर रहने की व्यवस्था की गई है। जोशीमठ नगर क्षेत्र से 43 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से शिफ्ट कर लिया गया है।

जिसमें से 38 परिवार को प्रशासन ने जबकि पांच परिवार स्वयं सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट हो गए है।भू-धसाव बढने से खतरे की जद में आए भवनों को चिन्हित किया जा रहा है। ताकि कोई जानमाल का नुकसान न हो। राहत शिविरों में बिजली, पानी, भोजन, शौचालय एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं के लिए नोडल अधिकारी नामित करते हुए जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना द्वारा लगातार स्थिति की समीक्षा की जा रही है। अपर जिलाधिकारी डा.अभिषेक त्रिपाठी एवं संयुक्त मजिस्ट्रेट डा.दीपक सैनी सहित प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद है। जोशीमठ भू-धंसाव के खतरे से निपटने के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस सुरक्षा बल को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

यहाँ होती है अंतिम संस्कार में इंसानी दिमाग खाने की प्रथा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 6 जनवरी , दिमाग मत खाओ , क्यों मेरा दिमाग खा रहे हो ? ये आप अक्सर बोलते होंगे लेकिन क्या यकीन करेंगे कि कुछ लोग ऐसा हकीकत में करते हैं। हम आपको ऐसे ही एक समुदाय की कहानी बता रहे हैं जो दिमाग खाकर मौत की दावत करते हैं। हर समुदाय में अंतिम संस्कार को लेकर अलग-अलग प्रथाएं निभाई जाती है। लेकिन शायद ही किसी ने सुना होगा कि अंतिम संस्कार के दौरान लोग इंसानी मांस खाते हैं। खासकर मृतक का दिमाग। पढ़ कर कांप गए ना। आइए उस जनजाति के बारे में बताते हैं। 'दिमाग खाना' हमारे यहां भले ही कहावत हो, लेकिन एक ऐसी जनजाति है जहां पर अंतिम संस्कार में दिमाग खाने की प्रथा थी। पापुआ न्यू गिनी में करीब 312 जनजातियां रहती हैं। जिनके अजीबो गरीब रिवाज होते हैं। इसी में से एक जनजाति में इंसान का मांस और दिमाग खाने की प्रथा थी। जिसकी वजह से वहां के लोगों में एक बीमारी से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता विकिसत हो गई है। मेडिकल टीम इनपर जांच कर रही है.ब्रिटेन और पापुआ न्यू गिनी के वैज्ञानिक ने फोर जनजाति (Fore Tribe) के

लोगों पर शोध किया। इसमें पता चला कि आदिवासी जिनके आहार में मृतक के दिमाग शामिल था, उनमें कुरु नामक बीमारी से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो गई है। वहां के लोगों में इस बीमारी से लड़ने की आनुवंशिक प्रतिरोधक क्षमता (Genetic resistance) हो गई है। वैज्ञानिकों को इस शोध से पार्किंसंस रोग और डिमेंशिया जैसे 'प्रायन' रोगों के नए ट्रीटमेंट में मदद मिल सकती है।

अंतिम संस्कार में मृतक के शरीर की होती थी दावत : फोर जनजाति में पहले जब अंतिम संस्कार होता था तो दावत के दौरान पुरुष मृतक का मांस खाते थे वहीं,महिलाएं उनका दिमाग। इसे प्रथा के जरिए लोग अपने प्रियजनों के प्रति सम्मान प्रकट करते थे। उनका कहना था कि अगर शरीर को दफनाया जाता है या किसी जगह पर रखा जाता है तो कीड़े खाते हैं। इससे अच्छा है कि शरीर को वो लोग खाएं जो उनसे प्यार करते हैं।

कुरु नामक बीमारी से ग्रसित होने लगे लोग : मृतक के शरीर से दिमाग को निकालकर महिलाएं उसमें फर्न मिलातीं थी और उसे बांस में पकाया जाता था। शोध में कहा गया है कि ग्लॉब्लाडर छोड़कर वो लोग सबकुछ भूनकर खा जाते थे। लेकिन यह प्रथा इस समुदाय के लिए जानलेवा होती थी। क्योंकि उन्हें नहीं पता था कि दिमाग में एक खतरनाक मॉलिक्यूल होता है, जो मौत का कारण बनता है। यहां के मेडिकल टीम ने देखा कि फोर जनजाति के कुछ लोग रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हो रहे थे। वो इतने कमजोर हो रहे थे कि चलने फिरने की अपनी क्षमता को खो देते थे। खाना भी बंद हो जाता था। जिसकी वजह से उनकी मौत हो जाती थी। इस बीमारी को 'कुरु' नाम दिया गया। जिसका मतलब था 'डर से कांपना'। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस बीमारी की वजह से यहां पर हर साल इस जनजाति के करीब 2 प्रतिशत से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती थी।

उत्तरकाशी के इस गांव में भी 31 साल से हो रहा भू-धंसाव, घरों में पड़ीं दरारें, धंस रहे खेत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी जनपद का मस्ताड़ी गांव 31 वर्षों से भू-धंसाव की चपेट में है। यहां लोगों के घरों में दरारें आई है। रास्ते व खेत लगातार धंस रहे हैं। ग्रामीण लंबे समय से विस्थापन की मांग कर रहे हैं लेकिन अभी तक विस्थापन नहीं हो पाया है। प्रशासन का कहना है कि विस्थापन के लिए भूमि चयनित कर ली गई है। भूगर्भीय सर्वे के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यह गांव जिला मुख्यालय से मात्र 10 किलोमीटर दूर है। मस्ताड़ी गांव में वर्ष 1991 में आए भूकंप के बाद से भू-धंसाव शुरू हो गया था। भूकंप में गांव के लगभग सभी मकान ध्वस्त हो गए थे। 1997 में प्रशासन ने गांव का भूगर्भीय सर्वेक्षण भी कराया था।

भूवैज्ञानिक ने गांव में तत्काल सुरक्षात्मक कार्य का सुझाव दिया था लेकिन 31 साल बाद भी गांव का विस्थापन नहीं हो पाया है और न ही सुरक्षात्मक कार्य हुए हैं। स्थिति यह है कि गांव धीरे-धीरे धंसता जा रहा है। धंसाव के चलते रास्ते ध्वस्त हो रहे हैं, बिजली के पोल तिरछे हो चुके हैं और पेड़ भी धंस रहे हैं।

प्रशासन ने वर्ष 1997 में मस्ताड़ी गांव का भूसर्वेक्षण कराया था। तब भूवैज्ञानिक डीपी शर्मा ने गांव में सुरक्षात्मक कार्यों की सलाह दी थी। उन्होंने प्रशासन को सौंपी रिपोर्ट में कहा था कि भू-धंसाव वाले क्षेत्र में भूमि संरक्षण विभाग से सर्वेक्षण कराकर चेकडैम, सुरक्षा दीवार का निर्माण व पौधरोपण कराया जाए। मकानों के चारों ओर पक्की नालियों का निर्माण कर पानी की निकासी की व्यवस्था की जाए।

गांव में भू-धंसाव के चलते स्थितियां बदतर होती जा रही है। रास्ते व खेत धंस रहे हैं। घरों में दरारें पड़ी हुई है। प्रशासन से विस्थापन की मांग की गई है लेकिन अभी तक विस्थापन नहीं हो पाया है।

- सत्य नारायण सेमवाल, ग्राम प्रधान मस्ताड़ी।

- गांव के विस्थापन के लिए भूमि चयनित कर ली गई है। भूमि का भूगर्भीय सर्वे कराया जाएगा। सर्वे के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

2022 में गूगल पर लोग ने सबसे ज्यादा मेंटल हेल्थ सुधारने के तरीके किए सर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुनियाभर में गूगल के साथ ही दूसरे सर्च इंजन में लोग अब कोविड को सर्च करना भूल गए हैं। हाल ही में गूगल ने 2022 की ईयर इन सर्च लिस्ट जारी की है। इसके मुताबिक गूगल पर हर सेकेंड 99 हजार से ज्यादा चीजें सर्च की जाती हैं। ऐसे में सर्च हिस्ट्री लोगों के इंटरेस्ट और ट्रेंड्स के बारे में बड़े खुलासे कर रही है।लोगों ने 2022 में सबसे ज्यादा फिट कैसे रहे, वर्कआउट कैसे करें, तनाव दूर करने के तरीके, मानसिक और शारीरिक विकास के तरीके सबसे ज्यादा सर्च किए हैं।

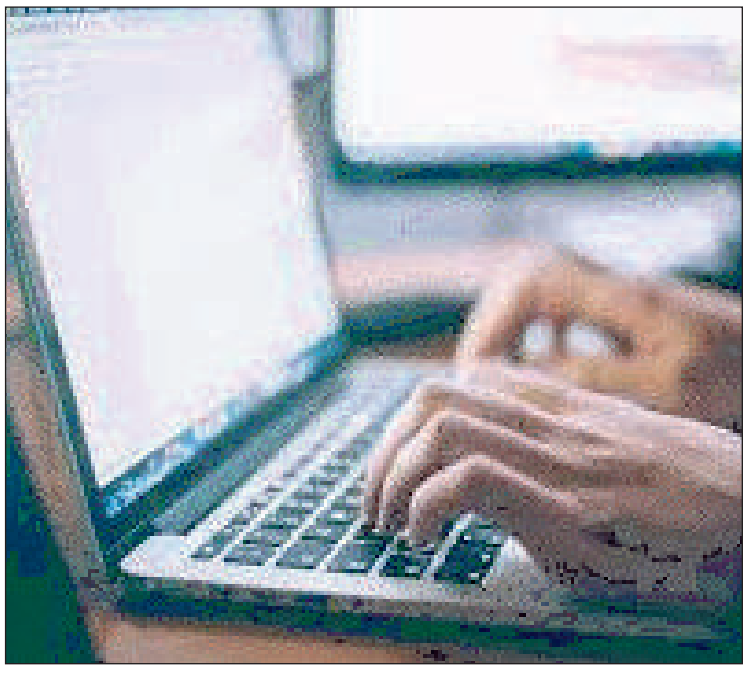

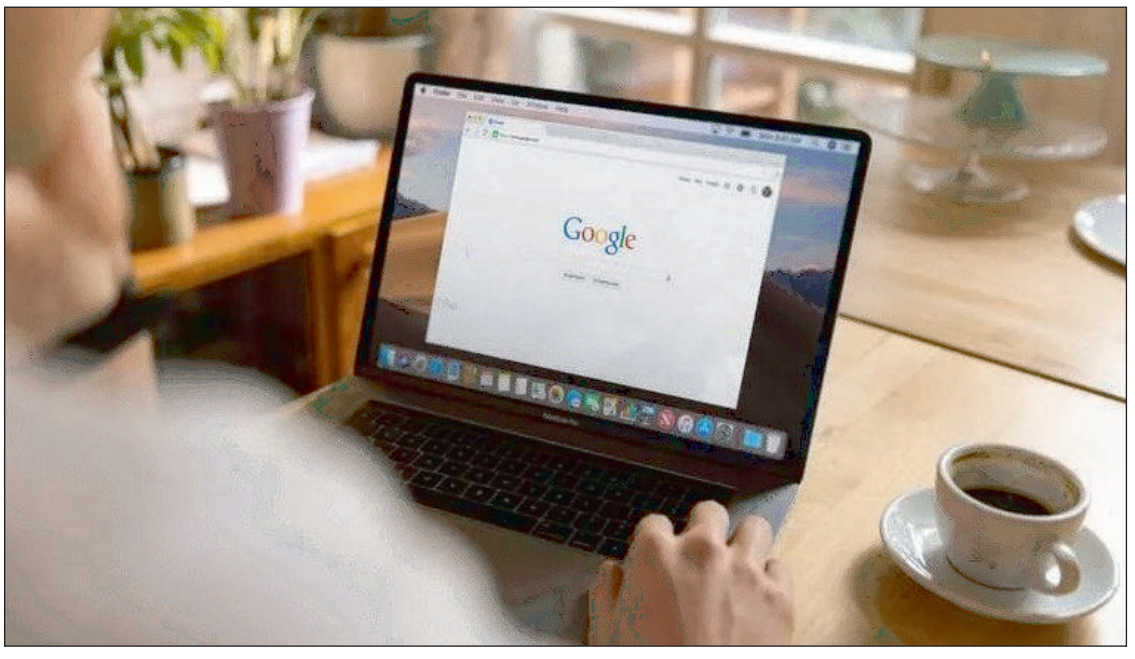

पिछले दो सालों से पूरी दुनिया में छाए हुए कोविड से जुड़े टॉपिक्स को लोगों ने पूरी तरह नजरअंदाज किया है।लोगों ने मेंटल हेल्थ पर किताबें, पॉडकास्ट और जर्नलिंग तकनीकों के बारे में जानकारी इकट्ठा की। इस साल अमेरिका में नेशनल सुसाइड प्रिवेंशन लाइफ लाइन शुरू की गई। इसके लिए इमरजेंसी नंबर 988 जारी किया गया, जो गूगल सर्च में शामिल था।बॉडी वेट वर्कआउट के लिए महंगे डिवाइस नहीं खरीदने पड़ते हैं। लोगों ने गूगल पर इसे ज्यादा सर्च किया। स्ट्रेस कैसे कम करें, पैनिक अटैक को कैसे रोकें, जैसी चीजें भी सर्च की गईं। बच्चों की मेंटल हेल्थ और सांस से जुड़ी एक्सरसाइज के बारे में भी सर्च किया गया।

जानिए व्हाट्सएप और व्हाट्सएप बिजनेस के बीच का अंतर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

व्हाट्सएप दुनिया का सबसे लोकप्रिय चैट ऐप है और कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला शीर्ष मैसेजिंग ऐप है। यहां व्हाट्सएप बिजनेस के लिए आपकी पूरी गाइड है।किसी भी समर्थन चैनल की तुलना में मैसेजिंग ऐप्स की ग्राहक संतुष्टि रेटिंग सबसे अधिक है और उनका उपयोग आसमान छू गया है। वास्तव में, हमारी 2022 ग्राहक अनुभव रुझान रिपोर्ट के अनुसार, अकेले व्हाट्सएप पर समर्थन टिकटों की मात्रा 2021 में 101 प्रतिशत बढ़ गई। ग्राहक कंपनियों के साथ उन्हीं चैनलों पर बातचीत करना चाहते हैं जिनका उपयोग वे दोस्तों और परिवार के साथ करते हैं। और व्यवसाय इसका अनुसरण कर रहे हैं: 2020 में एक नया चैनल लॉन्च करने वाली 53 प्रतिशत कंपनियों ने मैसेजिंग को जोड़ा। तेज़, व्यक्तिगत, सुविधाजनक और सुरक्षित समर्थन के साथ, संदेश सेवा ग्राहकों और व्यवसायों दोनों के लिए तेज़ी से पसंदीदा बन गई है। व्हाट्सएप दुनिया का सबसे लोकप्रिय चैट ऐप है, जिसके 2.5 बिलियन उपयोगकर्ता हैं। यदि आपका व्यवसाय व्हाट्सएप का उपयोग नहीं कर रहा है, तो आप अपने ग्राहकों का समर्थन करने का एक बड़ा अवसर खो सकते हैं। आरंभ करने के लिए आपको यहां जानने की आवश्यकता है।

व्हाट्सएप और व्हाट्सएप बिजनेस में क्या अंतर है?

यदि व्हाट्सएप एक वीडियो गेम होता, तो इसके तीन अलग-अलग स्तर होतेः उपभोक्ता व्हाट्सएप ऐप, व्हाट्सएप बिजनेस ऐप और व्हाट्सएप बिजनेस एपीआई। व्हाट्सएप के तीन संस्करणों के बीच मुख्य अंतर जानने के लिए आगे पढ़ें।

व्हाट्सएप

व्हाट्सएप न केवल उपभोक्ताओं के लिए अग्रणी चैट ऐप है, बल्कि यह कंपनियों द्वारा उपयोग किया जाने वाला शीर्ष मैसेजिंग ऐप भी है। ऐप इंटरनेट कनेक्शन के साथ कहीं भी काम करता है—कोई फ़ोन नेटवर्क या एसएमएस शुल्क की आवश्यकता नहीं है। यह युवा पीढ़ी के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैः प्लेटफॉर्म के 55 प्रतिशत उपयोगकर्ता 18 से 35 वर्ष के बीच के हैं। अन्य मैसेजिंग चैनलों की तरह, व्हाट्सएप अतुल्यकालिक है - जिसका अर्थ है कि ग्राहक वास्तविक समय में या अपनी सुविधानुसार बातचीत का जवाब दे सकते हैं। वेब-आधारित लाइव चैट के विपरीत, ग्राहकों के पास अन्य काम करते समय समस्या निवारण करने का लचीलापन होता है, जैसे ज़ूम मीटिंग में ट्यूनिंग करना या द बैचलरेट देखना, और एजेंट एक बार में अधिक ग्राहकों की मदद कर सकते हैं। बाद के लिए वार्तालाप सूत्र को संरक्षित करना भी संभव है। इसमें ग्राहकों के ब्रांड के साथ पिछले इंटरैक्शन शामिल हैं (बॉट्स, रिमाइंडर्स, अपडेट्स और नोटिफिकेशन के साथ बातचीत सहित), एजेंटों को अनुभव को वैयक्तिकृत करने के लिए संदर्भ देते हैं और इसका मतलब है कि ग्राहकों को खुद को दोहराना नहीं पड़ता है।

व्हाट्सएप बिजनेस ऐप

व्हाट्सएप बिजनेस ऐप को छोटे कारोबारियों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो कम मात्रा में ग्राहकों के अनुरोधों का प्रबंधन करते हैं. इसमें कुछ अतिरिक्त सुविधाओं के साथ उपभोक्ता व्हाट्सएप ऐप के समान इंटरफ़ेस है। उदाहरण के लिए, कंपनियों को एक सत्यापित व्यावसायिक प्रोफ़ाइल मिलती है ताकि ग्राहक भरोसा कर सकें कि वे किसके साथ चैट कर रहे हैं। वे कैटलॉग भी स्थापित कर सकते हैं, छोटे व्यवसायों के लिए प्लेटफॉर्म पर अपना सामान दिखाने और साझा करने के लिए एक मोबाइल स्टोरफ्रंट। एक डिवाइस पर केवल एक उपयोगकर्ता व्हाट्सएप बिजनेस ऐप का उपयोग कर सकता है—कम से कम अभी के लिए। यदि आप एक माँ-और-पॉप दुकान के मालिक हैं, तो संभवतः आप अपने ग्राहकों की सहायता कर रहे हैं। व्हाट्सएप बिजनेस ऐप इसी के लिए बढ़िया है।

उत्तराखंड हाई कोर्ट : सुखाताल विकास के लिए हरी झंडी नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सुखाताल सौंदर्यीकरण परियोजना की चल रही सुनवाई में, राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (SEIAA) ने बुधवार को उत्तराखंड उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उसे सुखाताल विकास के लिए कभी भी आवेदन नहीं मिला, जबकि राज्य के लिए पर्यावरणीय मंजूरी (EC) प्राप्त करना अनिवार्य है। ऐसी कोई भी परियोजना शुरू करने से पहले SEIAA। अदालत को यह भी बताया गया कि सुखाताल आर्द्रभूमि का हिस्सा है। पिछली सुनवाई के दौरान SEIAA और राज्य आर्द्रभूमि प्रबंधन प्राधिकरण को नोटिस जारी करने वाले HC ने बाद में फिर से नोटिस भेजा है। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने सुखाताल झील तल पर सभी निर्माण कार्य रोकने का आदेश दिया था और यह रोक अभी भी प्रभावी है।सुनवाई की अगली तारीख 16 फरवरी तय की गई है।

इससे पहले मामले में न्यायमित्र डॉ. कार्तिकेय हरि गुप्ता ने कहा था कि सुखाताल नैनी झील के पुनर्भरण का एक प्रमुख स्रोत है, जो नैनीताल शहर को पानी मुहैया कराता है। उन्होंने कहा कि झील के तल पर अभेद्य सामग्री (जैसे कंक्रीट) का उपयोग सभी वैज्ञानिक निकायों द्वारा प्रतिबंधित है। हालांकि, ₹सभी वैज्ञानिक रिपोर्टों को अनदेखा करते हुए₹, आईआईटी रुड़की ने परियोजना के लिए एक परियोजना रिपोर्ट तैयार की। गुप्ता ने कहा कि संस्थान की रिपोर्ट ₹विभिन्न कारणों से त्रुटिपूर्ण₹ है।

संपादकीय

'एक चीन नीति' का पुनर्मूल्यांकन हो

आजाद भारत की विदेश नीति ने चीन को सिरमौर बना लिया था. उसकी हर बात ऐसे मान ली गयी कि वह भारत का बहुत बड़ा हितैषी है. दोनों देशों की सांस्कृतिक विरासत और सामरिक समीकरण एक जैसे हैं. तिब्बत के मुद्दे से हमने इसकी शुरुआत की और ताइवान तक फिसलते चले गये तथा 1962 से हम चीन की आक्रामकता सहते चले गये. शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन और आक्रामक बन गया है. चीन की झूठी शक्ति की समझ भी दुनिया के सामने है. दूसरों को लाचार कहने वाला चीन महामारी के भंवर में फंसा हुआ है. अर्थव्यवस्था लुढ़कने लगी है. व्यापारिक सहयोगी छूटने लगे हैं. अमेरिका चीन के पीछे लगा है और संघर्ष युद्ध में तब्दील हो सकता है. भारत के लिए माकूल स्थिति है चीन की दीवार पर चढ़कर यह बोलने की कि हम एक चीन नीति का पुनर्मूल्यांकन करने जा रहे हैं. भारत की कूटनीतिक धार अभी तेज है और व्यापक समर्थन भी है. तवांग के मुद्दे को दो तरह से देखा जा सकता है. पहला, चीन की अंदरूनी हालत बहुत ठीक नहीं है. राष्ट्रपति जिनपिंग की राजनीतिक कश्ती भंवर में दिख रही है. वे अपनी हैसियत चीन में साम्यवादी व्यवस्था के संस्थापक माओत्से तुंग के बराबर लाना चाहते हैं, जबकि सच यह है कि चीन का आर्थिक ढांचा 2013 के बाद से हिचकोले खा रहा है. कूटनीतिक चुनौती ताइवान और जापान की तरफ से ज्यादा सख्त भी हुई है. कोरोना के आघात से चोटिल चीन की साम्यवादी व्यवस्था लोगों के क्रोध को भी झेल रही है. ऐसे मौके पर पडोसी देशों से संघर्ष की बातें लोगों को भ्रमित करती है. इसीलिए चीन ने गलवान संघर्ष के बाद चीन ने तवांग को निशाना बनाया. दूसरा सिद्धांत चीन की भारत की क्षमता को आंकने और उसकी मुस्तैदी को जांचने की हो सकती है. चीन हर समय यह देखना चाहता है कि भारत की सैन्य और राजनीतिक व्यवस्था कितनी सजग और मजबूत है. दोकलाम, गलवान और पुनः तवांग उसी की पुष्टि करता है. चीन युद्ध नहीं करना चाहता है, लेकिन यह जरूर जानना चाहता है कि भारत किस हद तक तैयार है. भारत और चीन की सीमा विवाद करीब 3,488 वर्ग किलोमीटर तक की है, जबकि चीन महज 2,000 वर्ग किलोमीटर तक को ही विवादित मानता है. विवाद तीन खंडों में बंटा हुआ है. वास्तविक नियंत्रण रेखा का सीमांकन मुख्यतः जमीनी है, लेकिन अभी जिस झील को लेकर विवाद हुआ है, साल के अधिकतर महीनों में बर्फ होने की वजह से उसका प्रयोग स्केटिंग के लिए होता है. झील के 45 किलोमीटर का क्षेत्र भारत के कब्जे में आता है और शेष चीन के. भारत ने गश्त और चौकसी को ध्यान में रखते हुए सड़कों का निर्माण किया है, जो चीन की आंख में किरकिरी बना है. चीन बहुत पहले से ही सड़क निर्माण के जरिये इस क्षेत्र की चौकसी करता रहा है. वर्ष 2013 के भारत-चीन वार्ता में इस सीमा पर शांति बनाने और बातचीत के द्वारा हल करने की हिमायत की गयी थी. फिर अचानक चीन को बेचैनी क्यों होने लगी है? दुनिया में ऐसी चर्चा है कि शक्ति का हस्तांतरण पश्चिम से पूर्व की ओर हो रहा है यानी अमेरिकी वर्चस्व के दिन लद गये हैं. पूर्व में शक्ति के आने का अर्थ यह नहीं कि संपूर्ण शक्ति चीन के पास आ जायेगी. शक्तियों का बंटवारा होगा, जो भारत और चीन में होगा तथा जापान भी इसमें महत्वपूर्ण घटक होगा. लेकिन इसके लिए भारत को तिब्बत पर अपनी सोच बदलनी होगी. चीन अपने द्वारा चयनित दलाई लामा को स्थापित करने की कोशिश में लगा हुआ है. उसके सामने तिब्बत मसला एक चुनौती बनने वाला है. भारत के पास एक मजबूत राजनीतिक नेतृत्व की साख है और उसकी विदेश एवं रक्षा नीति में जोखिम लेने और झेलने की क्षमता विकसित हो गयी है. चीन अर्थव्यवस्था और सैनिक क्षमता में भारत से आगे है. फिर भी भारत को इससे फायदा ही मिलेगा. आज भारत के पास अमेरिका का पूर्ण समर्थन है तथा जापान भी भारत के साथ खड़ा है. जरूरत केवल राजनीतिक इच्छा शक्ति की है. चीन की नीति आज भी बहुत हद तक वही है, जो पूर्व राष्ट्रपति देंग के दौर में तय हुई थी- 'दुश्मन को चुनौती दो, अगर उलटकर दुश्मन तुम्हें चुनौती दे, तो पीछे हट जाओ.' जब चीन पूरी तरह से महाशक्ति बन जायेगा, तब भारत के हाथ से बात निकल चुकी होगी. अमेरिका का वर्तमान चीन विरोध शीत युद्ध के माहौल से अलग है. वर्ष 1950 से 1972 तक विरोध वैचारिक था, लेकिन 2016 से 2022 के बीच का द्वंद्व अस्तित्व की जद्दोजहद है. अमेरिका किसी भी कीमत पर चीन को दुनिया का मठाधीश बनते नहीं देख सकता. अमेरिका को अगर कोई देश सार्थक मदद देने की स्थिति में है, तो वह भारत है. चीन की रफ्तार को रोका जा सकता है और उसके लिए तिब्बत से बेहतर और कोई विषय नहीं हो सकता. कूटनीति में समय और परिस्थिति की अहम भूमिका होती है. अगर तीर सही समय पर कमान से नहीं निकला, तो खुद के लिए भी घातक बन सकता है.

मैदान से लेकर पहाड़ तक गिरा पारा, ठंड से कांपे लोग

अगले 48 घंटे में बर्फबारी के आसार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में वैसे तो पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बिल्कुल नहीं है, लेकिन मैदान से लेकर पहाड़ तक तापमान गिरने से लोगों को जबरदस्त ठंड का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में सर्दी और बढ़ सकती है।

राज्य के मैदानी जिलों हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में जहां पिछले कई दिनों से शीतलहर जारी है और कोहरे का जबरदस्त असर दिखाई दे रहा है। वहीं, मैदान से लेकर पहाड़ तक रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक बृहस्पतिवार को मुक्तेश्वर में न्यूनतम तापमान 0.8, टिहरी में 2.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। जबकि, अधिकतम तापमान 15.6 डिग्री रहा। वहीं, राजधानी दून में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री तक पहुंच गया। जबकि, अधिकतम तापमान 21.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञानियों ने अगले 48 घंटे बाद राज्य में पश्चिमी विक्षोभ की हल्की सक्रियता की संभावना जताई है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के मुताबिक शनिवार को मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

हालांकि, पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता जम्मू कश्मीर और लद्दाख जैसे राज्यों में अधिक रहेगी। इसका थोड़ा बहुत असर उत्तराखंड में भी दिखाई देगा और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी देखने को मिल सकती है।

सिलिंडर लीकेज के बाद हुआ जोरदार धमाका, घर की दीवारें गिरी, चार घायल, दो झुलसे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ट्रांजिट कैंप में एक घर के किचन में रसोई गैस सिलिंडर के लीकेज में चिंगारी पहुंचने से धमाका हो गया। धमाका इतना जबरदस्त था कि घर की दीवार गिरने के साथ ही पड़ोस के दो घरों की छत भी गिर गई। हादसे में किचन में मौजूद किशोरी और उसके फूफा बुरी तरह झुलस गए जबकि पड़ोस के घरों में मौजूद दोपरिवारों के चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद मोहल्ले में अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल भेजने के साथ ही तीन घरों को सील कर दिया।

मूल रूप से बहेड़ी, जिला बरेली व हाल में कृष्ण कॉलोनी, ट्रांजिट कैंप निवासी प्रेम नारायण कश्यप राजमिस्त्री का काम करते हैं। बृहस्पतिवार की शाम प्रेम नारायण काम पर गया था जबकि उसकी पत्नी सिडकुल स्थित एक कंपनी में ड्यूटी करने गई थी। घर में उसकी बेटी नीतू व बहनोई भूपराम मौजूद थे। प्रेम ने बताया कि शाम को नीतू खाना बनाने के लिए किचन में गई थी। सिलिंडर खत्म होने पर उसने दूसरा सिलिंडर लगाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं लगा सकी। नीतू ने फूफा भूपराम को आवाज दी तो उसने सिलिंडर को चूल्हे में फिट किया।

चेक करने के लिए जैसे ही भूपराम ने माचिस जलाई तो वहां भयंकर धमाका हो गया। धमाके में नीतू (17) और भूपराम (41) बुरी तरह झुलस गए। इसके साथ ही किचन की दीवारों में दरार आ गई और हादसे में घर की एक दीवार के अलावा पड़ोस में स्थित दो घरों की छत गिर गई जिसमें कल्पना

(36), उसकी बेटी दीपिका (6), बेटा दीपांकर (13) और दूसरे घर में मौजूद मदनलाल की बेटी विनीता (15) घायल हो गई। घटना के बाद घायलों में चीख पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने घायलों को घर से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर ट्रांजिट कैंप पुलिस के साथ ही विधायक शिव अरोरा मौके पर पहुंच गए। सभी घायलों जिला अस्पताल पहुंचाया गया। नीतू और भूपराम का चेहरा बुरी तरह झुलस गया जबकि बाकी लोगों के शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। एसडीएम प्रत्यूष सिंह ने बताया कि प्रभावित परिवार के सदस्यों को नजदीक के एक स्कूल में ठहरा दिया गया है। उनको कंबल मुहैया कराया गया व खाने का इंतजाम भी करा दिया गया है।

फोरेंसिक टीम करेगी घटना की जांच

ट्रांजिट कैंप में हुई धमाके के घटना की जांच फोरेंसिक टीम करेगी। एसपी सिटी मनोज कत्याल और सीओ अनुषा बडोला ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों को क्षतिग्रस्त घर से दूर रहने का निर्देश दिया। एसपी सिटी ने बताया कि शुक्रवार को फोरेंसिक टीम घटना की जांच करेगी।

विधायक और मेयर ने जाना घायलों का हाल

विधायक शिव अरोरा व मेयर रामपाल ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। विधायक ने घायलों को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। वहीं कुछ घायलों को विधायक ने अपने वाहन से जिला अस्पताल भी पहुंचाया। इधर, ट्रांजिट कैंप में धमाका होने से आसपास के लोग दहशत में आ गए। धमाके के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस ने लोगों को क्षतिग्रस्त घर से दूर कर दिया।

मंगलवार को सिलिंडर लेकर आया था प्रेम

घटना से दहशत में आए प्रेम ने बताया कि वह मंगलवार को गैस एजेंसी से सिलिंडर खरीद कर लाया था। घटना होने के आधा घंटा पहले उसका बहनोई बहेड़ी निवासी भूपराम उसके घर पहुंचा था। फूफा के आने के बाद नीतू खाना बनाने के लिए किचन में गई थी।

कैबिनेट मंत्री अग्रवाल के बेटे ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के बेटे पीयूष अग्रवाल ने कांग्रेस नेता जयेंद्र रमोला, गरिमा दसौनी और अभिनव थापर के खिलाफ शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि इन लोगों ने झूठे तथ्य प्रस्तुत कर उनके पिता की छवि को धूमिल किया है।

कोतवाली के इंस्पेक्टर विद्याभूषण नेगी ने बताया कि पीयूष अग्रवाल ने तहरीर देकर बताया कि उन्होंने गुलशन कुमार निवासी सैनिक कॉलोनी रुड़की के साथ मिलकर कांति देवी निवासी नरेंद्र नगर, टिहरी से एक भूखंड खरीदा था। बताया कि विधानसभा चुनाव में उनके पिता प्रेमचंद अग्रवाल ने कांग्रेस नेता जयेंद्र रमोला को भारी मतों से हराया था। तभी से रमोला उनके पिता और परिवार से रंजिश रखते हैं। जयेंद्र रमोला ने कांग्रेस नेता गरिमा दसौनी और अभिनव थापर के साथ 28 दिसंबर को कांग्रेस भवन में एक प्रेस कांफ्रेंस की थी।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

भारत के कितने राज्यों के नाम में 'प्रदेश' शब्द आता है?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 6 जनवरी , सामान्य खबरों से अलग एक बार उस सवाल का जवाब ढूंढते हैं जो आजकल इम्तेहानों में खूब पूछा जाता है। ऐसे में चलिए कुछ हटकर पढ़ते हैं। क्या आपको पता है भारत में ऐसे कितने राज्य हैं, जिनके नाम में 'प्रदेश' शब्द आता है, यदि नहीं तो जरा दिमाग लगाकर आंसर सोचिये , क्योंकि यह सवाल केवल मजे के लिए नहीं है बल्कि प्रतियोगिता परीक्षा में भी पूछा जा सकता है। क्या आप भी कुछ हटकर पढ़ना चाह रहे हैं, तो बताइये भारत में कुल कितने राज्य हैं? कितने केंद्र शासित प्रदेश हैं, और ऐसे कितने प्रदेश हैं, जिनके नाम में 'प्रदेश' शब्द आता है? बता दें, यह आसान है, लेकिन कई बार हम सही गणना नहीं कर पाते हैं। जरा दिमाग लगाकर आंसर ढूनिए, क्योंकि यह सवाल केवल मजे के लिए नहीं है बल्कि प्रतियोगिता परीक्षा में भी पूछा जा सकता है।

भारत में कुल कितने राज्य हैं?

यह तो आप सभी जानते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, विभिन्न विविधताओं को देखते हुए देश कई राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशो में बांटा गया है। 2014 में तेलंगाना राज्य बन गया, जबकि कुछ साल पहले लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया, इसके बाद से अक्सर लोग ज्यादा भ्रमित रहते हैं कि भारत में कुल कितने राज्य हैं और कितने केंद्र शासित प्रदेश हैं? जनरल नॉलेज का यह सवाल बेहद कॉमन है, लेकिन तब भी अक्सर लोग इसका 'भारत में कुल कितने राज्य हैं उनके नाम बताइए' जवाब देते समय भ्रमित हो जाते हैं। बता दें, भारत में कुल 28 राज्य हैं, और इतने ही केंद्र शासित प्रदेश हैं।

भारत में ऐसे 5 राज्य हैं, जिनके नाम में प्रदेश आता है। यह रही उनकी लिस्ट

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश

तो पाठकों आप लगे हाथ आप उनकी राजधानी भी रट लीजिए , उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ है, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल है, अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर है, हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला है जबकि आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद है।

व्हाट्सएप ने निकला नया फीचर 'मैसेज योरसेल्फ'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

व्हाट्सएप ने अपने नवीनतम अपडेट में ₹मैसेज योरसेल्फ₹ नामक एक नया फीचर जोड़ा है, जो उपयोगकर्ताओं को अन्य लोगों के साथ संवाद करने के समान तरीके से खुद को संदेश भेजने की अनुमति देता है।यह सुविधा अब आईओएस और एंड्रॉइड दोनों उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है, और उन्हें नोट्स, रिमाइंडर और खुद को अपडेट भेजने के साथ-साथ फोटो, वीडियो, ऑडियो और 2 जीबी तक के दस्तावेज़ों को सीधे अपने फोन की गैलरी या फ़ाइल से साझा करने की अनुमति देता है। प्रबंधक।

इस सुविधा का उपयोग करने के लिए, उपयोगकर्ताओं को अपने Android या iOS डिवाइस पर WhatsApp का नवीनतम संस्करण इंस्टॉल करना होगा और फिर एक नई चैट खोलनी होगी और स्वयं संदेश भेजने के लिए सूची के शीर्ष पर अपने स्वयं के संपर्क का चयन करना होगा। इस सुविधा के अतिरिक्त।

व्हाट्सएप पर ₹मैसेज योरसेल्फ₹ फीचर का उपयोग कैसे करें

1. अपने Android या iOS डिवाइस पर Google Play Store या Apple App Store से WhatsApp का नवीनतम संस्करण डाउनलोड करें।

2. अपने डिवाइस पर व्हाट्सएप खोलें।

3. ₹नई चैट₹ विकल्प पर टैप करें।

4. आप संपर्क सूची के शीर्ष पर अपना स्वयं का संपर्क देखेंगे। अपने साथ चैट विंडो खोलने के लिए उस पर टैप करें।

5. अब आप अपने फोन की गैलरी या फाइल मैनेजर से सीधे संदेश, नोट्स, रिमाइंडर और अपडेट भेज सकते हैं, साथ ही फोटो, वीडियो, ऑडियो और दस्तावेज साझा कर सकते हैं।

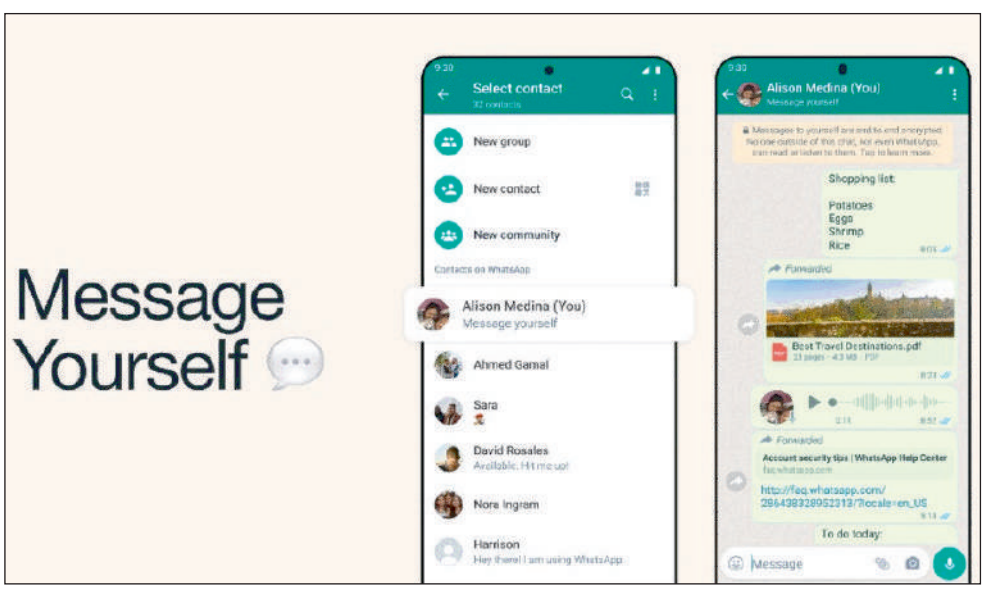

'मुझे कैंसर है, कृपया मेरे माता-पिता को न बताएं': 6 साल के बच्चे का अनुरोध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हैदराबाद के एक डॉक्टर ने ट्विटर पर साझा किया कि क्या हुआ जब छह साल के एक बच्चे ने, जिसे कैंसर था, ने उससे एक असामान्य अनुरोध किया। हैदराबाद के अपोलो अस्पताल के एक न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला में साझा किया कि कैसे मनु नाम के छह वर्षीय लड़के ने उनसे अनुरोध किया कि वह अपने माता-पिता को यह न बताएं कि वह जानते हैं कि वह कैंसर से पीड़ित हैं।डॉ कुमार ने लिखा, ₹यह एक और व्यस्त ओपीडी था, जब एक युवा जोड़ा आया। उनका अनुरोध था, 'मनु बाहर इंतजार कर रहा है। उसे कैंसर है, लेकिन हमने उसे यह नहीं बताया। कृपया उसे देखें और अपना इलाज बताएं। , और उसे निदान साझा न करें'।₹डॉक्टर ने माता-पिता के अनुरोध को स्वीकार कर लिया जिसके बाद वह मनु से मिला, जो व्हीलचेयर पर थी।

उन्होंने आगे कहा, ₹इतिहास और मेडिकल रिकॉर्ड की समीक्षा करने पर- मनु को मस्तिष्क के बाईं ओर ग्लियोब्लास्टोमा

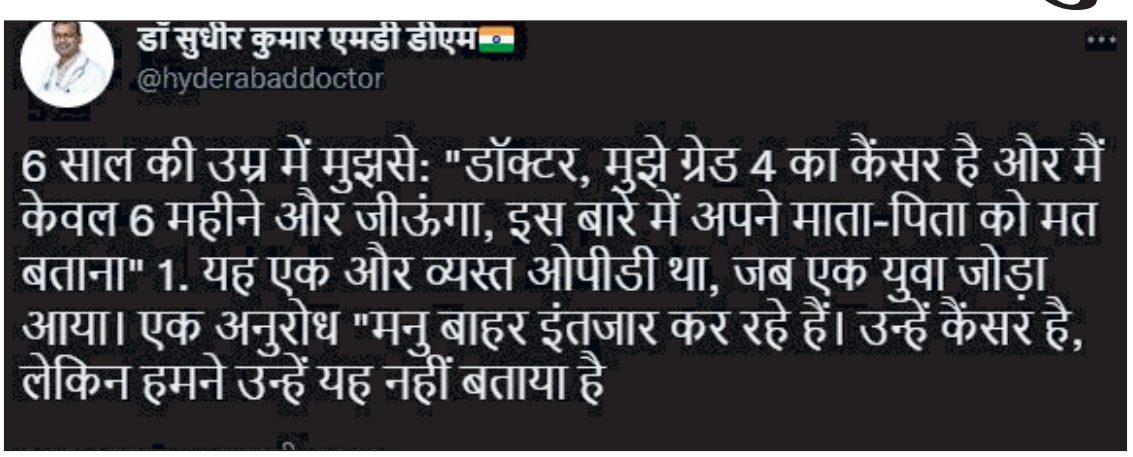

मल्टीफ़ॉर्म ग्रेड 4 का पता चला था, जिसके कारण उन्हें दाहिने हाथ और पैर का पक्षाघात हो गया था। उनका ऑपरेशन किया गया था, और कीमोथेरेपी चल रही थी। दौरे पड़ रहे थे। ब्रेन कैंसर के कारण।₹डॉक्टर ने मनु के इलाज के बारे में उसके माता-पिता से चर्चा की और उनके सवालों के जवाब दिए। जब परिवार जाने वाला था, मनु ने अपने माता-पिता से पूछा कि क्या वह डॉ. कुमार से अकेले में बात कर सकते हैं।माता-पिता के कमरे से बाहर इंतजार करने के बाद, मनु ने कहा- 'डॉक्टर, मैंने आईपैड पर बीमारी के बारे में सब कुछ पढ़ा है और मुझे पता है कि मैं केवल 6 महीने और जीवित रहूंगी, लेकिन मैंने इसे अपने माता-पिता के साथ साझा नहीं किया है, क्योंकि वे परेशान हो जाएगा। वे मुझे बहुत प्यार करते हैं। कृपया उनके साथ साझा न करें',₹ डॉक्टर ने कहा। डॉ कुमार ₹हैरान थे और कुछ पलों के लिए बोल नहीं पाए₹ लेकिन उन्होंने खुद को संभाला और छोटे लड़के से कहा कि वह उनके अनुरोध का ध्यान रखेंगे।फिर उन्होंने मनु के माता-पिता के साथ बातचीत साझा की, क्योंकि छोटा मरीज बाहर इंतजार कर रहा था।उन्होंने कहा कि उन्होंने छोटे बच्चे से अपना वादा नहीं निभाया क्योंकि ₹इस संवेदनशील मुद्दे पर परिवार को एक ही पृष्ठ पर लाना महत्वपूर्ण था।₹ न्यूरोलॉजिस्ट ने कहा, ₹यह महत्वपूर्ण था कि परिवार ने एक साथ आनंद लिया, जितना समय बचा था। उतना ही अधिक, जैसा कि मनु को उनकी बीमारी के बारे में पता था। क्या वह गंभीरता को समझ पाए, मैं अनिश्चित हूं।₹मनु के माता-पिता की आंखों में आंसू आ गए जब उन्हें पता चला कि उनके बेटे को उसकी बीमारी के बारे में पता था लेकिन वे शुक्रगुजार थे और भारी मन से ओपीडी से निकले।

तेजी से नौ महीने: मनु के माता-पिता डॉ. कुमार से मिलने लौटे।उन्होंने उन्हें तुरंत पहचान लिया और मनु के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की।माता-पिता ने जवाब दिया, ₹डॉक्टर, आपसे मिलने के बाद हमने मनु के साथ बहुत अच्छा समय बिताया। वह डिज्नीलैंड जाना चाहता था और हम उसके साथ गए। हमने नौकरी से अस्थायी छुट्टी ली और मनु के साथ अच्छा समय बिताया। हमने उसे एक महीने पहले खो दिया। आज की यात्रा हमें सर्वश्रेष्ठ 8 महीने देने के लिए धन्यवाद देने के लिए है।